भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
उच्चतर शिक्षा विभाग

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-2582
उत्तर देने की तारीख-18/12/2024

कृत्रिम बुद्धिमता के क्षेत्र में तीन उत्कृष्टता केंद्र

2582 **श्री एस. निरंजन रेड्डी:**

क्या ***शिक्षा*** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) के क्षेत्र में नई दिल्ली, पंजाब और उत्तर प्रदेश में तीन उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) स्थापित कर रही है और इन राज्यों के चयन के लिए क्या मानदंड हैं;
(ख) क्या ये उत्कृष्टता केन्द्र कृषि, स्वास्थ्य देखभाल और शहरी संधारणीयता के क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमता कौशल को बढ़ाने के लिए उद्योगों के सहयोग से विशेष पाठयक्रम, प्रमाणन या डिग्री कार्यक्रम विकसित करेंगे; और
(ग) क्या इन उत्कृष्टता केन्द्रों से प्राप्त अनुसंधान निष्कर्षों को इन क्षेत्रों से संबंधित सरकारी योजनाओं के साथ समेकित किया जाएगा, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(डॉ. सुकान्त मजूमदार)

(क) से **(ग): "**भारत में एआई बनाएं और एआई को भारत के लिए काम करने योग्य बनाएं" के विजन के लिए "कृत्रिम बद्धिमता के लिए उत्कृष्टता केंद्र" के संबंध में बजट घोषणा **2023-24** के पैरा **60** के अनुसरण में**,** सरकार ने वित्त वर्ष **2023-24** से वित्त वर्ष **2027-28** की अवधि के लिए **990.00** करोड़ रुपये के कुल वित्तीय परिव्यय के साथ स्वास्थ्य**,** संधारणीय शहरों और कृषि के क्षेत्रों में एक-एक**,** आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में तीन उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) की स्थापना को अनुमोदित किया है।

सीओई के चयन के लिए**,** समग्र श्रेणी में शीर्ष **100** में एनआईआरएफ रैंकिंग वाले उच्चतर शिक्षा संस्थानों (एचईआई) से प्रस्ताव आमंत्रित करने के लिए एक राष्ट्रव्यापी प्रस्ताव

आमंत्रण शुरू किया गया था। चरण-I में, अवधारणा का प्रमाण (पीओसी) प्रस्तुत करने के लिए 11 कंसोर्टियम के प्रस्तावों का चयन किया गया था। इसके बाद, एम्स दिल्ली-आईआईटी दिल्ली, आईआईटी कानपुर और आईआईटी रोपड़ के नेतृत्व वाले कंसोर्टियमों को क्रमशः स्वास्थ्य, संधारणीय शहरों और कृषि के क्षेत्रों में एक शीर्ष समिति (जिसमें उद्योग विशेषज्ञ, एआई के क्षेत्र के विशेषज्ञ, शिक्षाविद, संबंधित मंत्रालयों के प्रतिनिधि आदि शामिल हैं) द्वारा कड़े मूल्यांकन के माध्यम से चुना गया।

प्रत्येक उत्कृष्टता केंद्र शीर्ष शैक्षणिक, अनुसंधान संस्थानों के साथ-साथ उद्योग भागीदारों, स्टार्टअप आदि का एक संघ है और यह प्रमुख संस्थान और अन्य संस्थानों जैसे आईआईटी मद्रास, आईआईटी हैदराबाद, आईआईटी बॉम्बे, आईआईटी तिरुपति, आईआईटी गुवाहाटी, आईआईटी

गांधीनगर, आईआईएससी बैंगलोर, आईआईआईटी हैदराबाद, एम्स पटना, एनआईटी मेघालय, एनआईटी हमीरपुर, एनआईटी कालीकट आदि के बीच एक सहयोगात्मक प्रयास का प्रतिनिधित्व करता है।

इन सीओई को इन तीन क्षेत्रों में अंतःविषयक अनुसंधान करने, अत्याधुनिक अनुप्रयोगों को विकसित करने और स्केलेबल समाधान बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस पहल का उद्देश्य एक प्रभावी एआई पारिस्थितिकी तंत्र को सक्रिय करना और इन महत्वपूर्ण क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण मानव संसाधनों का पोषण करना है। इन कंसोर्टियम से प्राप्त अनुसंधान और प्रौद्योगिकी विकास परिणामों को इन क्षेत्रों में सरकारी योजनाओं के साथ सहजता से एकीकृत करने की भी परिकल्पना की गई है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि अत्याधुनिक नवाचार सार्वजनिक लाभ के लिए कार्रवाई योग्य समाधानों में परिवर्तित हो सकें।

*****